

आग से बचाव हेतु अपनाइये ये सुझाव









आग से सुरक्षा हेतु सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि आग कैसे लगती है?



सदा ध्यान रखें, आग को जलने के लिये वायु, उष्मा व ईंधन तथा इनके बीच परस्पर रासायनिक प्रतिक्रिया की ज़रूरत होती है।

आग पर नियंत्रण हेतु इन तीनों को अलग-अलग करना आवश्यक है।

आग के स्रोत व ईंधन के प्रकार के आधार पर तय किया जाता है कि आग किस वर्ग की है। साधारणतः अग्निशामक सिलेंडर पर यह वर्ग (क्लास) लिखा होता है। अतः आग पर नियंत्रण करने के लिये उचित अग्निशामक का ही प्रयोग करें।

	A साधारण ज्वलनशील पदार्थ (लकड़ी, कपड़ा, कागज़, रबड़, प्लास्टिक आदि)
	B ज्वलनशील द्रव (पेट्रोल, केरोसीन आदि)
	C ज्वलनशील गैस (एल.पी.जी., सी.एन.जी. आदि)
	D ज्वलनशील धातु (सोडियम, पोटेशियम आदि)
	E विद्युत-चालित उपकरण (मोटर, ट्रांसफॉर्मर आदि)
	F खाद्य तेल (सरसों का तेल, रिफाइन्ड तेल आदि)



कार्यालयों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में आग लगने का एक प्रमुख कारण है विद्युत उपकरणों व तारों में शॉर्ट सर्किट होना। अतः सुनिश्चित करें कि-

फ्यूज़ व स्विच बॉक्स आदि पर कवर प्लेट ढकी हों जिससे शॉर्ट सर्किट होने पर आग या चिंगारियाँ बाहर न आएँ।

बिजली के स्विच, तारों व अन्य उपकरण विद्युत आपूर्ति में अचानक आए अतिरिक्त भार को सहने के योग्य हों।

कार्यालय से निकलते समय सभी विद्युत उपकरण जैसे कम्प्यूटर, प्रिन्टर, फोटोकॉपी मशीन, कॉफी मशीन आदि के स्विच बन्द हों।

साथ ही निम्नलिखित बातें सदा ध्यान रखें

अंगीठी/अलाव आदि को हर प्रकार के ज्वलनशील पदार्थों से दूर किसी सुरक्षित स्थान पर रखें।

थोड़ी देर के लिये भी कमरे से बाहर निकलते समय हीटर बन्द कर दें व उसका प्लग निकाल लें।

हीटर/अंगीठी पर्दे, फर्नीचर आदि से कम से कम 3 फीट दूरी पर रखें।

धूम्रपान करते समय ऐश ट्रे का प्रयोग करें व जलती हुई सिगरेट-बीड़ी कभी भी ऐश ट्रे में न छोड़ें।

उचित सुरक्षा मानकों वाले विद्युत उपकरणों का ही प्रयोग करें।

कार्यालय के विभिन्न भागों में स्मोक डिटेक्टर व अलार्म लगवाएं।

किसी विद्युत-चालित मशीन जैसे कम्प्यूटर, प्रिन्टर आदि से तार/प्लास्टिक आदि के जलने की गन्ध आए, तो तुरंत ही उसका प्लग निकाल लें व किसी विशेषज्ञ द्वारा उसकी जाँच कराएँ।



आग लगने पर क्या करें और क्या न करें

आग लगने पर सर्वप्रथम अपनी जान बचाएं, सामान आदि को बचाना घातक हो सकता है।

शरीर के किसी अंग में आग लगने पर दौड़ने के बजाय जमीन पर लेटकर पलटें ताकि आग बुझ जाये।

चूंकि धुँआ व अन्य हानिकारक गैसों कमरे में ऊपर की ओर इकट्ठा होती हैं अतः आग लगने पर खड़े न हों, जमीन पर घुटने के बल चलें।

आग लगने की स्थिति में विकलांग व्यक्तियों की सहायता करें व उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

आग लगने पर 108 पर फोन करें या नजदीकी फायर स्टेशन से सम्पर्क करें।



भारत सरकार - यू.एन.डी.पी. के आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम (2009-2012) के अन्तर्गत हि. प्र. आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा विकसित व जनहित में जारी।

अधिक जानकारी हेतु कृपया संपर्क करें-

टेलीफोन- 0177 2625657, फैक्स- 0177 2625657

ईमेल- sdma-hp@nic.in वेबसाइट- www.hpsdma.nic.in



Empowered lives.
Resilient nations.